चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	15.6.2022	--	--

एचएयू वीसी प्रो कंबोज ने स्थापित किए नए कीर्तिमान : गंगवानी

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 15 जून : एचएयू अनुसूचित जाति जनजाति कर्मचारी संघ के महासचिव राजकुमार गंगवानी ने कहा है कि जब से प्रोफेसर बीआर कंबोज एचएयू के कुलपति पद पर नियुक्त हुए हैं, तभी से विश्वविद्यालय नए नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा हे। विवि के इतिहास में प्रोफेसर कंबोज ऐसे पहले कुलपति हैं, जो खुद वैज्ञानिकों की टीम के साथ फिल्ड में जाकर किसानों को खेती से संबंधित नई नई जानकारियां दे रहे हैं ताकि किसान उन्नत फसल प्राप्त कर सके। गंगवानी ने कहा कि प्रोफेसर कंबोज ने कृषि विज्ञान केंद्रों के सहयोग से किसान मेले, कपास मेले, गुलाबी सुंडी से बचने के उपाय बता रहे हैं। वहीं ऑर्गेनिक खेती की जानकारियां भी दी जा रही है। कुलपति बनने के बाद विश्वविद्यालय में पदोन्नतियों की झड़ी सी लगाई हुई है। पिछले दिनों शिक्षकों की निष्पक्ष भर्ती करके एक नई मिसाल बर्ना है। प्रोफेसर बीआर कंबोज ने एचएयू में किसान परीक्षण अनुसूचित जात से संबंधित लोगों को प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्म निर्भर बनाया जा रहा है। अनुसूचित जाति के लोगों को प्रशिक्षण के दौरान उनके खातों में सीधे धनराशि उपलब्ध करवा कर एक सराहनीय कदम उठाया है। उन्होंने कहा कि विवि में सफाई अभियान, हरियाली पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रोफेसर बीआर कंबोज विश्वविद्यालय में नए नए कीर्तिमान स्थानित कर रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	16.6.22	6	1-6

एग्रो टिप्स • किसानों को एचएयू में बिस्किट व पापड़ समेत वेल्यू एडिड प्रोडक्ट बनाने के बारे में दी जा रही निःशुल्क जानकारी

अब ढींगरी मशरूम से तैयार चाय और कॉफी पी सकेंगे लोग, वैज्ञानिकों ने तैयार किया पाउडर, मोटापा, शुगर व बीपी कम करने में होगा सहायक

महबूब अली | हिसार

अब आप ढींगरी मशरूम से तैयार चाय और कॉफी का भी सेवन कर सकेंगे। एचएयू के एबिक सेंटर से ट्रेनिंग लेने के बाद वैज्ञानिक विकास ने ढींगरी मशरूम से तैयार कॉफी और चाय का पाउडर तैयार किया है, जो मोटापा से लेकर शुगर, बीपी और ब्लड प्रेशर कम करने में भी अहम भूमिका निभाएगा। जल्द ही पाउडर को लोग खरीद सकेंगे। विकास ने बताया कि वह मशरूम की खेती करने तथा प्रोडक्ट उत्पादन के बारे में प्रदेशभर के किसानों को भी ट्रेनिंग देते हैं। उन्होंने बताया कि घर में 100 बैग से ढींगरी मशरूम के कारोबार को शुरू किया जा सकता है। 2 माह में 15 हजार तक आमदनी आसानी से होती है। वीसी बीआर काम्बोज ने बताया कि विवि एबिक सेंटर के माध्यम से किसानों को ट्रेनिंग देकर स्वरोजगार उपलब्ध कराने में भूमिका निभा रहा है। किसानों को बिस्किट व पापड़ समेत प्रोडक्ट की निःशुल्क जानकारी दी जा रही है।

विकास वर्मा

मशरूम को उगाने के लिए उर्वरकों की नहीं होती आवश्यकता

- मशरूम को उगाने के लिए उर्वरकों की आवश्यकता नहीं होती है।
- किसान, मध्यम वर्ग और मजदूर वर्ग के लोग अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार कर सकते हैं।
- भूमिहीन लोगों के लिए मशरूम उत्पादन सबसे अच्छा विकल्प साबित होता है।
- मशरूम उत्पादन लागत बहुत कम है, जिसके परिणामस्वरूप उच्च लाभ होता है।

ढींगरी मशरूम से तैयार पाउडर

- किसी भी मौसम में मशरूम की खेती के लिए नियंत्रित वातावरण और नियंत्रित तापमान व आर्द्रता आवश्यक है।
- मशरूम उत्पादन में फसल के अवशेष आसानी से मिल जाते हैं, जिन्हें किसान अपने खेत में जला देता है।
- मशरूम को उन जगहों पर उगाया जा सकता है, जहां सूरज की किरणें नहीं पहुंच पाती हैं।
- मशरूम में उपयोगी और पौष्टिक पदार्थ होते हैं, साथ ही कई प्रोटीन भी होते हैं।

पोषण और औषधीय गुणों से भरपूर होता है मशरूम

मशरूम पोषण और औषधीय गुणों से भरपूर होते हैं। मशरूम ऐसा खाद्य पदार्थ है, जो भारतीय आहार में प्रोटीन की कमी को पूरा कर सकता है। मशरूम दालों, अनाज, सब्जियों और फलों से ज्यादा प्रोटीन से भरपूर होते हैं। मशरूम में मांस, मछली, अंडे व दूध की तुलना में प्रोटीन की मात्रा अधिक होती है। मशरूम में 3.8 तक प्रोटीन की मात्रा पाई जाती है। सूखे मशरूम में 35 से 100% प्रोटीन पाया जाता है।